उत्पादों की आपूर्ति में चोरी की जा रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) यह मामला सरकार के ध्यान में कब लाया गया था ; और

(ङ) पैट्रोलियम उत्पादों की इस चोरी और मिलावट से सरकार को कितना नुकशान हुआ है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ङ) हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड को सितम्बर, 1991 के दौरान रावत भाटा के "भारी जल संयंत्र" को आफ-स्पैक एल एस एच एस की आपूर्ति होने की शिकायत प्राप्त हुई है । नवम्बर, 1991 से एल एस एच एस की सभी आपूर्तियां नमी तत्व के परीक्षण के बाद ही दी जाती हैं । इस समय ऐसी कोई शिकायत नहीं है ।

Import of oil

3015. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA; Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government propose to sign fresh term contract to import oil from Saudi Arabia, Kuwait and Iran;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) whether the oil supplies from Russia have fallen; and

(d) if so, what further efforts Gov ernment propose to make oil available from foreign countries?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) Indian Oil Corporation has finalised term contracts with the National Oil Companies of Saudi Arabia, Kuwait and Iran for import of the following quantities of crude oil during April, 1992 to March, 1993.

Names of the Countries	Quantity (in MMT)
Saudi Arabia	5.0
Kuwait	4.0
Iran	2.0

(c) and (d) The shortfall in the supplies from Russia is being met from alternative sources.

बरौनी तेल शोधक कारखाने की शोधन क्षमता

3016. **श्री विनोद शर्मा** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बरौनी तेलशोधक कारखाने में वर्ष 1979-90 1990-91 और 1991 92 के दौरान कुल कितनी मात्रा में तेल शोधन किया गया और इस संयत्र की कुल अधिष्ठापित क्षमता कितनी है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस कारखाने की पूर्ण क्षमता का उपयोग न होने के कारण इसे आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है ;

(ग) यदि हां, तो उपर्युक्त वर्षों के दौरान इस कारखाने को कितनी आर्थिक हानि उठानी पड़ी है ;

(घ) क्या सरकार ने कारखाने को इस हानि से बचाने के उपाय करने का निश्चय किया है ; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) बरौनी रिफाइनरी की स्थापित क्षमता 3.3 मिलियन टन प्रति वर्ष है । शोधित होने वाले

कच्चे तेल की मात्रा का वर्षवार विवरण निम्नलिखित है :—

लाख टन मिलियन टनों में

वर्ष	संसाधित क्रूड
1989–90	2.964
1990–91	2.416
1991–92	2.262

(ख) से (ङ) उत्तर-पूर्व में कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी होने के कारण शोधन-क्षमता का उपयोग नहीं हो पाया है। चूंकि उत्तर-पूर्व में उत्पादित समूचे क्रूड का संसाधन हो चुका है, अतः इसके कारण हानि होने का प्रश्न नहीं उठता। बरौनी रिफाइनरी की यथासंभव अधिक आपूर्ति करने के सभी प्रयास किए जाते हैं। इंडियन आयल कारपोरेशन लि० ने हल्दिया से बरौनी तक एक नई क्रूड पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

राजस्थान में छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में परिवर्तित किया जाना

3017. **डा० बशारत अहमद :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में परिवर्तित किए जाने हेतु क्या योजनायें हैं और इनके किस-किस वर्ष तक पूरी हो जाने की संभावना है ;

(ख) क्या राजस्थान में चलने वाली सभी रेलों की डीजलीकरण तथा विद्युतीकरण की कोई योजना है और यदि हां तो, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) बड़ी लाइनों पर चलने वाली रेलों को कोयला इंजनों द्वारा चलाया जाना कब तक पूरी तरह से समाप्त किए जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) राजस्थान के निम्नलिखित मीटर लाइन मार्गों को बड़ी लाइन में परिवर्तन के लिए पहचान की गई है :—

1. लालगढ़-बीकानेर-मेड़ता रोड
2. मेड़ता रोड–जोधपुर-जैसलमेर
3. जोधपुर-समदेड़ी - मुनाबाव
4. लूनी-बाड़मेर
5. लूनी-पालनपुर
6. मेड़ता रोड–फुलेरा–जयपुर
7. दिल्ली-रेवाड़ी-जयपुर-बांदीकुई
8. सवाईमाधोपुर–जयपुर
9. लालगढ़–कोटा-रतलाम
10. हनुमानगढ़–पक्का सेरा–लालगढ़

इनमें से बीकानेर-मेड़ता रोड, दिल्ली रेवाड़ी और सवाईमाधोपुर जयपुर खंडों पर पहले ही कार्य प्रगति पर है। निम्नलिखित मार्गों पर चालू वर्ष के दौरान कार्य पूरा होने की संभावना है :—

1. लालगढ़-मेड़ता रोड
2. लालगढ़-कोटा-रतलाम
3. सवाईमाधोपुर–जयपुर

उपरोक्त शेष खंडों पर कार्य आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्षों में शुरू किया जाएगा। अपूरहोता कार्य का पूरा होना आगामी वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर होगा।

(ख) और (ग) रेलों ने इस शताब्दी के अंत तक भारी कर्षण को डीजल/बिजली कर्षण में बदलने की योजना बनाई है। बशर्ते धनराशि उपलब्ध हो और रेलों की उत्पादन इकाइयों में विनिर्माण की क्षमता हो।

सतना-रीवा-धवार-ब्यौहारी रेल लाइन का क. रीवा-धवार-ब्यौहारी खंड

3018. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या रेल मंत्री 22 जुलाई, 1992 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 213 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि उपरोक्त रेल लाइन के सतना-रीवा और रीवा-ब्यौहारी खण्डों